हमारे पर्यावरण की स्थिति पर एक विचार!

''ग्रीनिंग यंग माईन्ड्स... एक बेहतर भविष्य की ओर'' – पुस्तक का प्रकाशन सीएमएस पर्यावरण के लिए एक हर्ष का विषय है। यह २१वीं सदी के सबसे गंभीर मुद्दे "पर्यावरण संरक्षण" के प्रति लोगों को संवेदनशील बनाने की दिशा में किया गया एक और छोटा सा प्रयास है।

यदि हम चाहते हैं कि बच्चों के जीवन में पर्यावरण का एक अहम स्थान हो तो उनमें छोटी उम्र से ही पर्यावरण शिक्षा के प्रति रूचि पैदा करनी होगी। यह समझना उनके लिए अति आवश्यक है कि मानव और पर्यावरण दोनों के साथ वो प्रेम, सद्‌भाव, संवेदना और आदर के साथ पेश आएं क्योंकि मानव जीवन और पर्यावरण एक दूसरे के साथ जुड़े हुये हैं। इस संग्रह में कुछ असाधारण प्रतिभाशाली भारतीय फ़िल्म निर्माताओं द्वारा बनायी गई १० पर्यावरण फ़िल्में हैं। फ़िल्मों की विषय–वस्तु के रूप में प्रदूषण, वन्य जीव संरक्षण, वन संरक्षण, इ–वेस्ट और जलवायु परिवर्तन जैसे कई प्रासंगिक मुद्दों को लिया गया है।

सीएमएस अन्य सुविधाएं प्रदान करने के साथ–साथ पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के सहयोग से बनायी जाने वाली पर्यावरण फ़िल्मों के लिए एक दृश्य एवं श्रव्य संसाधन केन्द्र (आडियो विजुअल रिर्सोस सेंटर) भी है। यहां विभिन्न पर्यावरण विषयों पर बनी लगभग ३००० फ़िल्में उपलब्ध हैं और एक समर्पित वेब–साईट भी है जहां इच्छुक लोग फ़िल्मों के बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और उनकी ऑन लाईन खरीदारी भी कर सकते हैं। पर्यावरण सम्बन्धित गतिविधियों के लिए सीएमएस को पर्यावरण एवं वन मंत्रालय का अत्यधिक सहयोग और प्रोत्साहन मिलता रहा है– उसी का परिणाम है, पहले सीएमएस वातावरण– पर्यावरण एवं वन्य–जीव फिल्मोत्सव और अब, यह संग्रह। पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के साथ जुड़ाव हमारे लिए हर्ष का विषय रहा है– उन्हीं के सहयोग से हम ज्यादा अच्छी तरह पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने के अपने प्रयासों में सफल रहे हैं।

वनों का कटाव, वन्य जीवों का नाश और पर्यावरण प्रदूषण असंतुलित विकास को जन्म देते हैं– इसी का व्यापक परिणाम है जलवायु परिवर्तन, जिससे आज हमें जूझना पड़ रहा है। हमें पर्यावरण चिन्ताओं को अख़बारों के मुख्य पृष्ठ पर छापना होगा और हमारे नीति निर्धारकों को भी उसे अपने प्राथमिकताओं में शामिल करना होगा, तभी सार्थक परिणाम सामने आएंगे।

और, यह तभी संभव हो सकता है जब हम आज से ही पर्यावरण सम्मत मार्ग पर चलना शुरू करें– यही है इस संग्रह का संदेश जो छात्रों को सही मार्ग अपनाने में मदद करेगा।

पी.एन.वासन्ती

निदेशक, सीएमएस